भारत तथा तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह के साथ संबंध।

सिंहावलोकन

तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह (टी सी आई), उत्तरी अटलांटिक महासागर में दो द्वीप समूहों को शामिल करते हुए, (क्षेत्र 430 वर्ग कि.मी., आबादी 47000, सकल घरेलू उत्पाद 823 मिलियन अमरीकी डॉलर), यूनाइटेड किंगडम का एक समुद्रपारीय राज्य क्षेत्र है।

वर्ष 2009 में, इन द्वीप समूहों की सरकार में भ्रष्टाचार तथा अक्षमता के साक्ष्य जांच में पाए जाने के बाद ब्रिटिश सरकार ने इन पर अपना शासन सीधे रूप में लागू कर दिया। अगस्त 2009 में, इन द्वीपों पर यूनाइटेड किंगडम की सरकार का सीधा शासन लागू होने के परिणामस्वरूप, तत्कालीन गवर्नर गॉर्डन वेथेरल ने तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूहों के प्रशासन संचालन की पूर्ण जिम्मेवारी ले ली। सामान्य स्थिति में भी, यूनाईटेड किंगडम के द्वारा नियुक्त गवर्नर टी सी आई मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में अपने व्यापाक कार्यपालक प्राधिकार का प्रयोग करते हैं और संविधान की मान्यता निलंबित होने के पश्चात मंत्रिमंडल भंग होने से वे संपूर्ण कार्यपालक एवं विधायी प्राधिकरण के एकमात्र निधान बन गए। अक्टूबर 2013 में, श्री पीटर बकिंघम को तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह का गर्वनर नियुक्त किया गया। टी सी आई का ब्रिटिश समुद्रपारीय राज्य क्षेत्र होने की वजह से, ब्रिटिश सरकार इसके विदेशी संबंधों एवं रक्षा मामलों के लिए व्यापक रूप से जिम्मेवार है, यद्यपि टी सी आई अपने पड़ोसी देशों एवं संयुक्त राज्य अमेरीका के साथ अपना राजनयिक संबंध रखता है।

नवम्बर, 2012 में तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह में आम चुनाव हुए। प्रोग्रेसिव नेशनल पार्टी (पी एन पी) ने इस चुनाव में आठ सीटों और पी डी एम पार्टी ने सात सीटों पर जीत हासिल की। इस तरह, पी एन पी चुनाव विजयी हुई। पी एन पी पार्टी ने अपनी सभी सीटों पर पी डी एम की तुलना में बहुत कम अंतर से जीत हासिल की, जबकि पी डी एम पार्टी ने अपनी सभी सीटों पर पी एन पी की तुलना में काफी ज्यादा अंतर से जीत हासिल की। इसकी वजह से, पी डी एम पार्टी द्वारा अपेक्षाकृत कम सीटों पर जीत हासिल करने और चुनाव में हारने के बावजूद, इस पार्टी को पूरे देश में समग्र रूप से ज्यादा वोट मिले। पी एन पी पार्टी के डॉ0 रूफूस इविंग को 21 सीट वाले एक सदनीय विधान मंडल - विधान सभा में प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

टी सी आई न तो संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य है और न ही अधिकांश अंतरराष्ट्रीय संगठनों में इसका कोई प्रतिनिधित्व होता है। यह कैरिबियन डेवलपमेंट बैंक, इंटरपोल तथा सी पी यू का सदस्य है और कैरिकॉम का सह- सदस्य है। इसमें अन्य देशों का कोई निवासी राजनयिक प्रतिनिधि नहीं है। भले ही इसने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कोई भागीदारी नहीं की है न ही इसने जलवायु परिवर्तन विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है, लेकिन इसने, अन्य बातों के साथ, विभिन्न जारी अंतरराष्ट्रीय विचार विमर्श में सक्रिय रूप से भागीदार रहा है जैसे - समुद्र के बढ़ते जल स्तरों, समुद्रों के पानी का गर्म होना, तटीय विस्फोट, तटीय अपरदन, समुद्री

परिस्थितियों का प्रतिकूल होते जाना, मत्स्य भंडार का कम होना तथा तूफानों एवं हरिकेनों का बार-बार एवं भयंकर रूप से आना, जो न सिर्फ सतत विकास एवं कमजोर अवसंरचना को बाधित करता है बल्कि छोटे द्वीप वाले विकसित राष्ट्रों के अस्तित्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

राजनीतक

चूंकि तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह का विदेशी राष्ट्रों के साथ संबंध ब्रिटिश विदेश कार्यालय द्वारा निर्धारित होता है, हमारा प्रमुख ध्यान परस्पर आर्थिक संबंध को सुदृढ़ करने के लिए अवसर की तलाश करने, हमारे आउटरीच प्रयासों के क्रम में भारत को सूचना प्रदान करने, भारतीय समुदाय तथा स्थानीय लोग को दूतावास संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में राहत एवं बचाव संबंधी प्रयासों में भारतीय समुदाय की सहायता करने पर है, क्योंकि इस राज्य क्षेत्र में समय - समय पर हरीकेन एवं तूफान आते रहते हैं। समग्रत: हमारा आपसी संबद्ध अपेक्षाकृत सीमित है।

भारतीय उच्चायोग को समवर्ती रूप से तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। भारत तथा तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह के बीच द्विपक्षीय संबंध मित्रवत रहे हैं। इन द्वीप समूहों के साथ कोई उच्च स्तरीय आदान प्रदान नहीं हुआ है और न ही कोई द्विपक्षीय करार किया गया है।

आईटीईसी / एस सी ए ए पी के तहत प्रतिवर्ष 2 स्लॉटों के हमारे ऑफर का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

व्यापार
समीपता एवं संपर्कता की वजह से, संयुक्त राज्य अमेरीका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और 70 प्रतिशत से अधिक पर्यटन व्यवसाय वहीं से ही आरंभ होता है।

द्विपक्षीय रूप में, भारत तथा तुर्क एवं कैकोस द्वीप समूह के बीच समरूप एवं विषम संबंधों का कोई प्रमुख क्षेत्र नहीं है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार महत्वपूर्ण नहीं रहा है और निवेश भी लगभग नहीं के बराबर है।

सांस्कृतिक संबंध तथा भारतीय समुदाय

भारतीय समुदाय काफी सक्रिय है और इसकी आबादी इन द्वीप समूहों की कुल आबादी के 3 प्रतिशत से थोड़ा अधिक ही है। इन भारतीय लोगों में थोक आभूषण एवं इलेक्ट्रॉनिक के व्यवसाय में काफी सक्रिय सिंधी परिवार, कुछ संख्या में डॉक्टर, नर्स, शिक्षक, चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा अन्य पेशे से जुड़े लोग शामिल हैं। बहुत अधिक संख्या में भारतीय लोग भारतीयों के द्वारा स्थापित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं स्थानीय आतिथ्य सत्कार उद्योग से जुड़े हैं।

उपयोगी स्रोत:

भारतीय उच्चायोग, किंग्सटन वेबसाइट :
http:/www.hcikingston.com
भारतीय उच्चायोग, किंग्सटन, फेसबुक पृष्ठ :
https://www.facebook.com/HighCommissionsOfindiakingston

जनवरी, 2015